

आज देशबंधुं गुप्ता वाजकीय क्नातकोत्तर महाविद्यालयं पानीपत में नीपूर्व द्वाता स्ममेलमं का आर्माजन किमा गुमा। यह कार्य क्राम MPH हाल में प्राचार्य जी-श्रीमती संज अवरोल-के नैतृत्व व प्रभारी भी मती सीमा सिंह के मार्गिकान में करवामा ग्रामा । सरस्वती वंदना व दीप प्रज्यवलन के साथ ही कार्यक्रम का शुमारंभ इसा। प्रान्यायां जी में पूर्व द्वात्र-ट्यात्राओं को शुभकामनाएं व आशीवाद के साथ ही उनको उनमें लक्म में सफल होने भी बधाई भी दी। 10AC समिति के संघोजिक उपप्राचार्य डी दलजीत सिंह ने निव पूर्व द्वांत्र सम्मेलने में विद्याचियों की अपने संदेश में देश समाज, परिवार व स्वास्थ्य के प्रावे अपने कर्तव्यों की पूर्व करने की बात कही । मैंच का कुरित संचालन श्रीमती स्मावता मेन ने किया । पूर्व व्हांत्रों की और से संगीत, गायम, अंताक्षरी, गड़ाल, गीतं, भाषा इत्यादि कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। रित् में कावता, मंजीत में सूट्य में यार पाँद लगा दिए। सभी पूर्व च्लानों हारा अपने अपने अनुभव भी सांझा किए गए। जो विद्यापी होशा क्षेत्र में श्रीहरू रहे, रीजगार क्षेत्र में सपल रहे व प्रास्त्रत हैं, उन सभी में अपना अनुभव बतामा । पूर्व ब्लान सम्मेलन में 76 विद्यापिनों में भागा लिया। आपताब, दृष्टि, शुभम, क्रोमल, ने मुरादीय विश्वविद्यालय में प्रथम, दितीय, तृतीय र भान अलग-अलग विषयों में प्राप्त किया है। में समी विद्यापी ४०% से उत्पर अंक हारिल कार गाए। आरजू, विश्वम, अनुराधार, ज्योतिदेवी, मंजीतः में अलग - अलग बेंकों में अपनी प्रतिभा से रोजगार प्राप किया है। निक्रिता, राजेश कुमार, विपिन, नैनसी ने शिश्वायशि में रीजगार प्राप्त किया है। रित् ने क्यालत में, राजेश ने रेल में, क्रिशीर ने परामर्शदाता के रूप में रीजगार हासिल क्रिया है।

इस अवस्पर पर संपूर्ण कॉलेज स्टाफ, पूर्व छान रामीलम कमेरी के सदस्य डॉ॰ पूजा रामी, श्रीमती उदे। व्यान पूर्व सम्मेलन में अध्यक्ष पर प्रेस वर्मा, अपाध्यम पर पर पर रित्र, सिपव क्षा किशीर, संयुक्त सिपव तन्नू, व्यांची शुभम की नियुक्त किया गर्मा । श्रीमती श्नीमा सिंह ने सभी का धन्यवाद किया । क्रायक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। केलिन के प्राध्यापकों व पूर्व स्थान स्थात्राओं के लिए यह असे शुभ अवसर रहा जब सबने अपने विन्पर एक दूसरे से साझा किए। दीरित गावा में उम में कई तरह के खेलों से वियापियों का भरपूर मनोर्जन कराया। सभी के लिए में आनन्द के पले रहे।

Shy